

## अभ्यासक्रमाची उद्दीष्टे

पेपर क्र. 2 निवडक गद्य – पद्य. कोड – U – PSL 205

- 1) पालि भाषेत प्रकरणे – पाठ, कथा, सुखा, चरित्र इत्यादीची माहिती शिकवणे.
- 2) कविता – गाथा, श्लोक इत्यादीची माहिती शिकवणे.
- 3) वाक्यप्रचार, संवाद, वृत्तांत इत्यादीची माहिती शिकवणे.
- 4) पालि गद्य – पद्य शैली शिकवणे.
- 5) पालि भाषेतील रुढी, प्रथा, परंपरा, शिष्टाचार इत्यादीची माहिती शिकवणे.
- 6) मूळ पालि गद्य-पद्य वाचणे व त्यावर भाष्य करणे.
- 7) तथागताचा मूळ उपदेश शिकवणे.

## अभ्यासक्रमाची फलनिष्पत्ती

पेपर क्र. 2 निवडक गद्य – पद्य. कोड – U – PSL 205

- 1) पालि भाषेत प्रकरणे – पाठ, कथा, चरित्र इत्यादीची माहिती शिकण्यास मिळते.
- 2) कविता – गाथा, श्लोक इत्यादीची माहिती शिकण्यास मिळते.
- 3) वाक्यप्रचार, संवाद, वृत्तांत इत्यादीची माहिती शिकण्यास मिळते.
- 4) पालि गद्य – पद्य शैली समजते.
- 5) पालि भाषेतील रुढी, प्रथा, परंपरा, शिष्टाचार इत्यादीची माहिती शिकण्यास मिळते.
- 6) मूळ पालि गद्य-पद्य वाचून व त्यावर भाष्य करता येते.
- 7) तथागताचा मूळ उपदेश शिकता येतो.

## Topicwise distribution of Syllabus

| Sr. NO.          | Code  | Subject | Allotted periods |   |    |
|------------------|---|---------|------------------|---|----|
| U – PSL 205      | BA B com Bsc 1                                      | Pāli    | 56 periods       |   |    |
| Paper No. 02     | Title of the paper<br>निवडक गद्य-पद्य, सत्र – दुसरे |         | L                | P | T  |
| Unit – 1<br>गद्य | 1 धम्मचक्कपवत्तन सुत्त, अंगुलिमाल सुत्त,            |         | 14               |   |    |
|                  | सुंसुमार जातकवण्णना, राजोवाद जातक,                  |         |                  |   |    |
|                  | कालामसुत्त,   |         |                  |   |    |
| Unit – 2<br>गद्य | नंदसुत्त, नागसेन मिलिन्द पहिली भेट,                 |         | 14               |   |    |
|                  | कुरुंगमिगजातक, बकजातक,                              |         |                  |   |    |
|                  |   |         |                  |   |    |
| Unit – 3<br>पद्य | धम्मपद- चित्तवग्गो, कोधवग्गो, पुप्फवग्गो,           |         | 14               |   |    |
|                  | थेरीगाथा- रोहिणीथेरी, पुण्णीकाथेरी,                 |         |                  |   |    |
|                  |   |         |                  |   |    |
| Unit – 4<br>पद्य | महामङ्गलसुत्त, पराभवसुत्त,                          |         | 14               |   |    |
|                  | सिलानिसंसो, सुनितथेरो, कसिभारद्वाजसुत्तं.           |         |                  |   |    |
|                  | अभ्यास सहल  |         | 08<br>दिवस       |   | 08 |

B. A., B. COM., B. SC., I Year

पेपर क्र. 2 निवडक गद्य – पद्य. कोड – U – PSL 205

अॅक्टिव्हिटी बेस

सत्र –दुसरे

गुण 30

- |   |   |
|---|---|
| 1) पालि साहित्याचे वर्गीकरण               | 2) निवडक जातक कथा आणि त्यांचा बोध.        |
| 3) थेरगाथेतील सुविचार                     | 4) धम्मपदातील सुविचार                     |
| 5) थेरीगाथेतील सुविचार                    | 6) सुत्तनिपातातील सुविचार                 |
| 7) भिक्षू जिवन.                           | 8) भिक्षूणी जिवन.                         |
| 9) पालि साहित्याचे वर्गीकरण.              | 10) जातक कथेतील शिकवन.                    |
| 11) पालि गद्यातील प्रतिबिंबित जिवन.       | 12) पालि पद्यातील प्रतिबिंबित जिवन.       |
| 13) पालि गद्यात प्रतिबिंबित समाज.         | 14) पालि पद्यात प्रतिबिंबित समाज.         |
| 11) पालि गद्यात प्रतिबिंबित निसर्ग वर्णन. | 11) पालि पद्यात प्रतिबिंबित निसर्ग वर्णन. |

संदर्भ ग्रंथ

- 1) निवडक गद्य – पद्य, प्रा. डॉ. एस. एम. सोनोने व स्नेहा सोनोने, तथागत प्रकाशन, लातूर.
- 2) पालि भाषा व साहित्य, प्रा. डॉ. एस. एम. सोनोने व स्नेहा सोनोने, तथागत प्रकाशन, लातूर.
- 3) पालि-मराठी-हिन्दी-इंग्रजी शब्दकोश, प्रा. डॉ. एस. एम. सोनोने व कु. स्नेहा सोनोने, तथागत प्रकाशन, लातूर.